एक छोटे से गाँव में, किसान इस बात को लेकर उत्सुक थे कि नई तकनीकें उनके काम में कैसे मदद कर सकती हैं । एक दिन, उनमें से एक समूह खेती में एक आकर्षक और तेजी से बढ़ती अवधारणा के बारे में जानने के लिए सामुदायिक केंद्र में एकत्र हुआ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ए. आई। . प्रशिक्षक ने यह समझाना शुरू किया कि ए. आई. एक ऐसी तकनीक है जो मशीनों को सोचने, सीखने और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। जैसे कि एक किसान कैसे तय करता है कि कब बीज लगाना या फसल की कटाई करना सबसे अच्छा है। पहला विचार पेश किया गया था कि ए. आई. प्रणालियाँ अनुभव से सीख सकते हैं। जिस तरह एक किसान मौसम के पैटर्न को देखता है और पिछली फसल से सीखता है, उसी तरह ए. आई. डेटा का उपयोग करता है, बेहतर निर्णय लेने के लिए। प्रशिक्षक ने समझाया कि एआई सिस्टम डेटा सेट नामक किसी चीज़ पर निर्भर करता है, जो एक किसान की नोटबुक की तरह जानकारी का एक संग्रह है जहां वे मिट्टी की नमी, पिछली फसल की पैदावार या यहां तक कि दैनिक मौसम का विवरण रखते हैं। ये डेटा नोटबुक मशीनों को प्रतिरूप पहचानने में मदद करती हैं और फसल बोने, पानी देने या कटाई के लिए सबसे अच्छा समय सुझाती हैं। आगे एक एल्गोरिदम की अवधारणा थी जिसकी तुलना प्रशिक्षक ने एक सफल मौसम के लिए एक किसान की योजना से की। जैसे एक किसान जुताई, बीज बोने और सिंचाई जैसे कदमों का पालन करता है। एल्गोरिथ्म निर्देशों का एक समूह है जिसका पालन ए. आई. डेटा को संसाधित करने और निर्णय लेने के लिए करता है। सही एल्गोरिदम के साथ, ए. आई. किसानों को अपनी फसल आवर्तन की योजना बनाने या कीट प्रकोप की भविष्यवाणी करने में भी मदद कर सकता है। जिससे समय की बचत और पैदावार में वृद्धि हो सकती है। किसान विशेष रूप से इस बात में रुचि रखते थे कि समय के साथ ए. आई. कैसे बेहतर होता है। प्रशिक्षक ने उन्हें समझाया कि ए. आई. प्रणालियाँ अधिक से अधिक आंकड़ों का विश्लेषण करके सीखती हैं, ठीक उसी तरह जैसे एक किसान प्रत्येक मौसम के बाद अपनी तकनीकों को परिष्कृत करता है। उदाहरण के लिए, कई मौसमों के लिए वर्षा और मिट्टी की स्थिति पर नज़र रखने के बाद, AI इस बारे में बेहतर भविष्यवाणियां कर सकता है कि कब पानी देना है या उर्वरक लगाना है, जिससे किसानों को आत्मविश्वास के साथ बुद्धिमान निर्णय लेने में मदद मिलती है। लेकिन यहाँ एआई को निष्पक्ष रखने के बारे में एक महत्वपूर्ण सबक था। प्रशिक्षक ने बताया कि यदि ए. आई. द्वारा उपयोग किया जाने वाला डेटा पर्याप्त विविध नहीं है, तो मशीन गलतियाँ कर सकती है, एक ऐसे किसान की तरह जो अगले मौसम की भविष्यवाणी करने के लिए केवल एक मौसम को देखता है। एल्गोरिथम पक्षपात नामक इस अवधारणा का अर्थ है कि एआई कुछ निश्चित परिणामों की ओर झुक सकता है जो हो सकता है सभी खेतों के लिए उचित ना हों ।

किसान सीखते हैं कि संतुलित डेटा का उपयोग करना और यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह सभी के लिए उचित है, ए. आई. की सिफारिशों की दोबारा जांच करना आवश्यक है। सत्र के अंत तक किसानों को एहसास होता है कि ए. आई. उनके खेतों में मार्गदर्शन और दक्षता बढ़ाने में एक अतिरिक्त सहायक हाथ की तरह काम कर सकता है। लेकिन वे यह भी समझ गए कि इस नए सहायक पर नज़र रखना महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। इस ज्ञान के साथ, उन्होंने अपने क्षेत्रों में ए. आई. को अपनाने के बारे में अधिक आत्मविश्वास महसूस किया, और इसका बुद्धिमानी और नैतिक रूप से उपयोग करने के लिए तैयार हुए, ए एक अधिक फलदायी भविष्य के लिए। अब, इस साझा ज्ञान के आधार पर, एक रोमांचक नई पहल आकार ले रही है।

कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फोर एशिया, अर्थात सी. ई. एम. सी. ए., ज़ खुली और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। उसने इस महत्वाकांक्षी एआई साक्षरता परियोजना के लिए ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई के साथ साझेदारी की है। इसका उद्देश्य किसानों को डिजिटल भविष्य में सक्रिय खिलाड़ी बनने के लिए सशक्त बनाना है ए. आई. की बुनियादी बातों को पढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए एक संरचित पाठ्यक्रम के साथ,

यह कार्यक्रम किसानों का मार्गदर्शन करेगा, ए. आई. के ईस्तेमाल से उत्पादकता को बढ़ाने में और कृषि में नए विचारों को प्रेरित करने में। आइए हम सब मिलकर इस यात्रा की शुरुआत करें।